चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी

भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग

एम. ए. हिन्दी दो वर्षीय पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

शैक्षणिक सत्र : जुलाई 2025 से आरंभ

एम. ए. हिन्दी दो वर्षीय पाठ्यक्रम विवरणिका

भूमिकाः–राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार एम.ए. हिन्दी के पाठ्यक्रम को लागू करने की दृष्टि से इसमें अपेक्षित संशोधन और परिवर्धन के बाद जुलाई 2025 से लागू किया जाएगा।

संबद्धताः–चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी के हिन्दी–विभाग द्वारा प्रस्तावित यह पाठ्यक्रम चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी से संबद्धता रखने वाले कॉलेजों के लिए होगा।

पाठ्यक्रम संरचनाः–एम. ए. हिन्दी का यह पाठ्यक्रम दो वर्षीय होगा। प्रत्येक भाग में दो–दो सेमेस्टर होंगे, जिन्हें सेमेस्टर–I, II, III, और IV माना जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्मित एवं चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी द्वारा स्वीकृत चार सेमेस्टर के चयन आधारित क्रेडिट पद्धति के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन–पद्धति को तैयार किया गया है। इसे चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी के नियमों के अनुसार लागू किया जाएगा।

एम. ए. हिदी के अंतर्गत तीन प्रकार के पाठ्यक्रम की व्यवस्था रहेगी।

1. मूल पाठ्यक्रमः– एम.ए. हिन्दी के प्रत्येक सेमेस्टर के सभी छात्रों के लिए यह अनिवार्य पाठ्यक्रम होगा।
2. ऐच्छिक पाठ्यक्रमः– ऐच्छिक पाठ्यक्रम में विशेष अध्ययन की दृष्टि से बहुविकल्पों की व्यवस्था है। विद्यार्थी इनमें से किसी एक विकल्प का चयन कर सकेंगे। इन बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्रों की व्यवस्था I, II, III, और IV सेमेस्टर के अंतर्गत की गई है।
3. अनुशासन वैकल्पिक पाठ्यक्रमः में भारतीय ज्ञान परंपरा/संपदा – इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी–विभाग द्वारा दो प्रश्नपत्रों की व्यवस्था की गई है जिसको दूसरे व तीसरे सेमेस्टर में अध्ययन कर सकेंगे। ये पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा और मूल्य आधारित पद्धति पर होगा।

प्रोग्राम आऊटकम (POs)

आउटकम बेस्ड शिक्षा प्रणाली एक महत्त्वपूर्ण शैक्षिक सिद्वान्त है जो परिणाम आधारित लक्ष्यों को आधार बनाता है। इस प्रणाली से शिक्षक यह समझ सकेंगे कि उन्हें पाठ्यक्रम में किस तरह के बदलाव करने की आवश्यकता है और विद्यार्थियों को पता चलेगा कि उनका मूल्यांकन किस आधार पर किया जाएगा। रोजगार व स्वरोजगार के अवसर किस–किस क्षेत्र में हो सकते हैं इन सबकी जानकारी इस पाठयक्रम में समाहित होगी।

एम. ए. हिन्दी स्नातकोत्तर स्तर का कार्यक्रम है जिसका मुख्य उदेश्य विद्यार्थियों की साहित्य के प्रति समझ, ज्ञान और गहन अध्ययन की प्रवृति विकसित करनी है। वर्तमान परिवेश में ज्ञान के साथ–साथ चेतना, संवेदनशीलता और बहुआयामी व्यक्तित्व की आवश्यकता है जो समाज में फैली नकारात्मकता को खत्म करके समानता और बंधुत्व को स्थापित कर सके। हिन्दी साहित्य मनुष्य के दृष्टिकोण को विस्तार प्रदान करता है जो मानवता की प्रासंगिकता को बनाए रखता है। भाषा विज्ञान, आलोचना और काव्यशास्त्र का अध्ययन जहां विद्यार्थियों की सैद्वांतिक समझ को बढाता है वहीं कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबन्धों के द्वारा विद्यार्थी व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। एम. ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सैद्वांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है साथ ही पाठ्यक्रम की संरचना विद्यार्थियों को.मुक्त ऐच्छिक विषयों को अपनी इच्छा से पढने की आजादी भी प्रदान करती है। पाठ्यक्रम की संरचना यू.जी.सी. नेट,यू.पी.ए.सी. एवं सहायक प्रोफेसर परीक्षाओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

प्रोग्राम स्पेसिफिक आऊटकम (PSOs)

एम. ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम भाषा कौशल के साथ–साथ सामाजिक सरोकार के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान प्रदान करता है। एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम :–

1. हिन्दी साहित्य के माध्यम से छात्रों में सामाजिक व राष्ट्रीय प्रतिबद्वता का निर्माण करना।
2. साहित्य के प्रति रूचि का विकास करना।
3. हिन्दी साहित्य के माध्यम से जीवन तथा मानवीय मूल्यों का ज्ञान प्रदान करना।
4. हिन्दी बोलने और लिखने के कौशल में कुशलता।

5. हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं की जानकारी प्रदान करना।
6. भाषिक ज्ञान को बढावा देना।
7. प्रभावी संप्रेषण और रोजगार को बढावा देना–साहित्यकार, सिनेमा, संपादन, प्रूफ रीडर, संपादन, लेखक, निर्देशक आदि।
8. छात्रों में नैतिक मूल्यों की स्थापना करना।
9. समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी भूमिका को समझना।
10. साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्रदान करना।
11. यूजीसी नेट,यूपीएसी एवं सहायक प्रोफेसर परीक्षाओ में उपयोगी सिद्व होगा।

Chaudhary Bansi Lal University Bhiwani

(A State University established under Haryana Act No.25 of 2014)

Study & Evaluation schme
Of
M.A. Hindi Summary

Programme — **M. A. Hindi**
Duration — **Two-year full time (Four Semester)**
Medium — **Hindi**
Minimum Required Attendance — **75%**
Total Credits - 20+22+22+20=84
Assessment / Evaluation

Internal Marks	Major test (End Semester Exam) Marks	Total Marks
30	70	100

Internal Evaluation

Minor Test	Attendance	Assignment	Total Marks
20	5	5	30

Duration of Examination

Major Test (End Semester Exam)	Internal (Minor Test)
3 hrs.	1 ½ hrs.

To qulify the course, student is required to secure a minimum of 40% marks in aggregate including the Major Test (End Semester Examination) and internal evaluation. A candidate who secures less then 40% of marks in a course shall be deemed to have failed in that course. The student should have obtained at least 40% marks in aggregate to qualify the semester.

Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani

Scheme of the examination for M.A Hindi

Semester	Core Course			DSE			IKS/EEC	AE		Non CGPA	
	Theory	Practial/Self Study	Seminar	Theory	Case study/ Supervised Field Traini	Supervised Field Project		Compulsory		Elective	Total
								AEC	SEC	Extra cc/passion club/hobby	
1.	5*4=20	0	0	1*5=5	---------	---------	--------	-------	---------	0	20
2.	5*4=22	0	0	1*5=5	---------	---------	02	---------	---------	0	22
3.	5*4=22	0	0	1*5=5	---------	---------	02	---------	---------	0	22
4.	5*4=20	0	0	1*5=5	---------	---------	--------	---------	---------	0	20
Total	84	**0**	**0**	20*4=80			04				84

1. C.C = Core course
2. D.E.C. = Discipline Elective Course
3. IKS/VAC = Open Elective Course
4. EEC = Employability&Enterprencurship skill Course

CH. BANSI LAL UNIVERSITY, BHIWANI

Session 2025-26

Scheme of Examination for M.A HINDI

Semester-I **Credits= 20** **Marks=500**

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Tutorial/ Seminar/Lab	Total	Theory	Tutorial/seminar Lab practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1.	25HND-101	आधुनिक हिंदी कविता	C.C.	4	0	4	4	--	4	70	30	--	100
2	25HND-102	हिंदी कहानी	C.C.	4	0	4	4	--	4	70	30	--	100
3	25HND-103	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	C.C.	4	0	4	4	--	4	70	30	--	100
4	25HND-104	भाषा विज्ञान	C.C	4	0	4	4	--	4	70	30	--	100
5	25HND-105	विशिष्ट रचनाकार (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, अज्ञेय,बालमुकुन्द गुप्त) **इन में से विद्यार्थी को किसी एक का अध्ययन करना है**	D.E.C	4	0	4	4		4	70	30		100
Total				**20**	**00**	**20**	**20**	**00**	**20**	**350**	**150**		**500**

1. **C.C. = Core Course**
2. **D.E.C Disipline Elective Course**

Scheme of Examination According to NEP 2020

C.C = Core course

D.E.C. = Discipline Elective Course

IKS/VAC = Open Elective Course

EEC = Employability&Enterprencurship skill Course

Duration : 4th Semester (2 years)

Ist Semester Credit-20

2nd Semester Credit-22

3rd Semester Credit -22

4th Semester Credit -20

Total Credit : 84

Total Marks: 2100

जुलाई, 2025 से प्रभावी
एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-101 आधुनिक हिन्दी कविता
समय : 3घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. कविता विधा की विशेष जानकारी छात्रों को देना।
2. भारतेंदु युगीन हिन्दी कविता और आधुनिकता का ज्ञानबोध हो सकेगा।
3. हिन्दी नवजागरण की सम्पूर्ण जानकारी।
4. राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि और उनका स्वतंत्रता संग्राम में योगदान
5. छायावाद की पृष्ठभूमि और उसके प्रमुख कवियों की जानकारी मिलेगी।
6. छायावादोत्तर काव्य की जानकारी।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

आधुनिकता की अवधारणा और हिन्दी–कविता में आधुनिकता
हिन्दी नवजागरण
भारतेन्दु युगीन हिन्दी कविता
आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीयता

इकाई–2

छायावाद की अवधारणा व पृष्ठभूमि
छायावाद का स्वरूप और प्रवृत्तियाँ
छायावादोत्तर काव्य के प्रमुख कवि
छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ

Mehak

इकाई–3

निर्धारित कविताएँ

मैथिलीशरण गुप्तः भारत–भारती वर्तमान खण्ड

जयशंकर प्रसादः चिन्ता सर्ग

निरालाः राम की शक्तिपूजा

इकाई–4

निर्धारित कविताएँ

बालकृष्ण शर्मा नवीन– हम अनिकेतन

रामधारी सिंह दिनकर– रश्मिरथी (तृतीय सर्ग)

कुवँर नारायण –नचिकेता

संदर्भ पुस्तकें:–

1. रामधारी सिंह दिनकर–आधुनिकता बोध, नेशनल पब्लिंशिंग, नई दिल्ली।
2. रामविलास शर्मा–महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. नंद किशोर नवल–आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी–कामायनीः एक पुनर्मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन।
5. महेन्द्रनाथ राय–छायावाद और नवजागरण, राधाकृष्णन प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. रामधारी सिंह दिनकर–रश्मिरथी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
7. जयशंकर प्रसादः,कामायनी,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाब

Mehak

जुलाई, 2025 से प्रभावी
एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-102 हिन्दी कहानी
समय : 3घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी कहानी की उत्पत्ति व विकास के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी समकालीन कहानीकारों के मध्य विभिन्न प्रवृतियों के आधार पर अन्तर समझ पाएंगे।
3. विद्यार्थी भूमण्डलीकरण के दौर के विभिन्न कहानीकारों की कहानियों में चित्रित समस्याओं से अवगत होंगे।
4. विद्यार्थी कहानी आन्दोलन के विभिन्न चरणों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी मूल कहानी के गहन पठन–मनन के द्वारा लेखक की भाषागत, परिवेशगत विशेषताओं को जानते हुए कहानी के मर्म तक पहुंच पाएंगे।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

हिंदी कहानी अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
हिंदी कहानी की विकास यात्रा के चरण
पूर्व प्रेमचन्द युग की हिन्दी कहानी की मूल प्रवृत्तियॉं
प्रेमचन्द युगीन कहानी की प्रवृतियॉं

इकाई –2

नई कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
विविध कहानी आन्दोलन
हिन्दी कहानी में संवेदना और शिल्प

हिन्दी कहानी में संवेदना और शिल्प
भूमंडलीकरण के दौर की कहानियों की विशेषताएँ

इकाई– 3

निर्धारित कहानियाँ
एक टोकरी भर मिट्टी–माधवराव सप्रे
उसने कहा था–चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
बड़े भाई साहब–प्रेमचन्द
आकाशदीप–जयशंकर प्रसाद
अपना–अपना भाग्य–जैनेन्द्र

इकाई –4

कोसी का घटवार– शेखर जोशी
पिता–ज्ञानरंजन
चीफ की दावत– भीष्म साहनी
लाल पान की बेगम–फणीश्वरनाथ रेणु
इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर –हरिशंकर परसाई

संदर्भ पुस्तकें:–

1. गोपाल राय–हिंदी कहानी का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रामविलास शर्मा–प्रेमचन्द और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. देवीशंकर अवस्थी–नई कहानी : संदर्भ एवं पाठ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. संपादक डॉ.लालचन्द गुप्त 'मंगल', हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला।
5. मधुरेश–हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन, पंचकूला।

जुलाई, 2025 से प्रभावी
एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-103 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

क्रेडिट : 4
समय : 3घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. हिन्दी साहित्य की इतिहास लेखन परम्परा, कालखण्ड एवं उनके नामकरण का परिचय प्राप्त होगा।
2. छात्रों को आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल एवं आधुनिक काल की प्रवृत्तियों, साहित्यकारों एवं उनकी रचनाओं की जानकारी प्राप्त होगी।
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से छात्र साहित्येतिहास की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की समग्र पृष्ठभूमि से परिचित होने का अवसर मिलेगा।

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1

हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन एवं पृष्ठभूमि
साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण
हिंदी में साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
हिंदी साहित्येतिहास पुनर्लेखन की समस्याएँ

इकाई –2

आदिकालः नामकरण एवं युगीन परिस्थितियाँ
आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
सिद्व साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य
अमीर खुसरो की हिन्दी कविता,विद्यापति की पदावली एवं लौकिक साहित्य

इकाई –3

भक्ति–आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप
भक्तिकाल आन्दोलन के उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक कारण

निर्गुण भक्ति काव्य–धाराएँ,स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ

सगुण भक्ति काव्य–धाराएँ,स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई –4

रीतिकाल की पृष्ठभूमि, नामकरण एवं युगीन परिस्थितियाँ
रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य एवं प्रवृत्तियाँ
रीतिसिद्व काव्य धारा एवं प्रवृत्तियाँ
रीतिमुक्त काव्य धारा एवं प्रवृत्तियाँ

संदर्भ पुस्तकें:–

1. रामचंद्र शुक्ल–हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. डॉ. नगेन्द्र–हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली।
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी–हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा।
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी–हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. रामस्वरूप चतुर्वेदी–हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

जुलाई, 2025 से प्रभावी
एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-104 भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

क्रेडिट : 4
समय : 3घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. भाषा विज्ञान के माध्यम से भाषा की संरचना और उच्चारण की जानकारी दे सकेंगे।
2. भाषा के स्वरूप एवं विधियों की जानकारी दे सकेंगे।
3. प्राचीन एवं आधुनिक भाषाओं के साथ अन्य शास्त्रों के सम्बंधों की जानकारी मिल सकेगी।
4. भाषा के विविध रूपों एवं भारतीय भाषाओं की स्थिति की जानकारी मिलेगी।
5. भाषा में होने वाले सुधारों, खूबियों एवं देवनागरी लिपि की विस्तृत जानकारी मिलेगी।

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1

भाषा विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
भाषा विज्ञान : अध्ययन की पद्धतियाँ
भाषा विज्ञान : अध्ययन की उपयोगिता
भाषा विज्ञान का अन्य शास्त्रों से सम्बंध

इकाई– 2

स्वनिम विज्ञान अर्थ, परिभाषा,स्वरूप एवं वर्गीकरण
ध्वनि विज्ञान अर्थः परिभाषा,स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ
वाक्य विज्ञान अर्थः परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएं
अर्थ विज्ञान :अर्थ परिवर्तन की दिशाए

इकाई –3

भारतीय आर्यभाषाएँ और हिन्दी भाषा
प्राचीनकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ
मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ
आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ

इकाई –4

हिन्दी की विभिन्न उपभाषाएँ एवं बोलियाँ
हिंदी के विविध रूप (सर्जनात्मक भाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, मातृ भाषा)
हिंदी की संवैधानिक स्थिति
देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और मानकीकरण

संदर्भ पुस्तकें:–

1. भोलानाथ तिवारी–हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. उदय नारायण तिवारी–भाषा विज्ञान की भूमिका, लोक भारती प्रकाशन।
3. धीरेन्द्र वर्मा–हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहबाद।
4. बाबूराम सक्सेना–सामान्य भाषा –विज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहबाद।
5. भोलानाथ तिवारी–भाषा–विज्ञान, किताब महल, इलाहबाद।

Mehak

जुलाई, 2025 से प्रभावी
एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-105(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (विशिष्ट रचनाकार)
समय : 3घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. नवजागरण और भारतेंदु के साहित्य की सम्पूर्ण जानकारी
2. भारतेंदु के साहित्य का विशिष्ट अध्ययन कर सकेंगें।
3. भारतेंदु के साहित्य का मुख्य बिन्दुओं की जानकारी ले सकेंगे।
4. भारतेंदु के साहित्य से विद्यार्थी देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का पाठ पढेंगें।
5. भारतेंदु के साहित्य से विद्यार्थी देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का पाठ पढेंगें।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

नवजारण और भारतेन्दु का साहित्य
भारतेन्दु के काव्य में सामाजिक,सांस्कृतिक चेतना
भारतेन्दु के साहित्य में राष्ट्र–चिंतन
स्वदेशी आन्दोलन के प्रेरणा स्रोत भारतेन्दु

इकाई–2

भारतेन्दु की नाट्य कला
हिन्दी पत्रकारिता एवं भारतेन्दु
भारतेन्दु के साहित्य में व्यंग्य का स्वर
भारतेन्दु की भाषा-शैली

इकाई –3

भारतेन्दु के महत्वपूर्ण लेख एवं रचनाएं–

दिल्ली दरबार दर्पण, भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है
मणिकर्णिका ,काशी
हिन्दी कविता,हिन्दी भाषा
रामायण का समय

इकाई–4

यात्रा वृत्तान्त– सरयू पार की यात्रा
नए जमाने की मुकरियाँ–पद 1से 14 तक
अंधेर नगरी (नाटक)

संदर्भ पुस्तकें:–

1. हरिश्चंद्र ग्रन्थावली,सम्पादक–ओमप्रकाश सिंह,भाग–1,2,3,4,5,6 प्रकाशन संस्थान,4268–B/3 अंसारी रोड,दरियागंज,नयी दिल्ली–110002
2. भारतेन्दु समग्र, हेमंत शर्मा–प्रचारक ग्रंथावली परियोजना, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
3. भारतेन्दु साहित्य, रामरत्न भटनागर–किताब महल, इलाहबाद
4. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतेन्दु साहित्य, मदन गोपाल–राजपाल एण्ड सन्स
6. भारतेन्दु ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

Mehak

जुलाई, 2025 से प्रभावी
एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-105(ii) प्रेमचन्द (विशिष्ट रचनाकार)
समय : 3 घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. राष्ट्रीय परिदृश्य और प्रेमचन्द के साहित्य की जानकारी मिलेगी।
2. प्रेमचन्द और पत्रकारिता के बारे में जानकारी मिलेगी।
3. प्रेमचन्द के साहित्य में सामाजिक सुधार की भावना से प्रेरित होकर विद्यार्थियों को समाजसेवा की प्रेरणा मिलेगी।
4. प्रेमचन्द के साहित्य को पढ़कर विद्यार्थियों में भी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ेगी।
5. प्रेमचन्द के साहित्य में प्रयुक्त सरल, सहज एवं प्रभावशाली भाषा विद्यार्थियों में साहित्य पढ़ने एवं लिखने की रूचि पैदा करेगी।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

प्रेमचन्द युगीन कथा साहित्य
राष्ट्रीय परिदृश्य और प्रेमचन्द
प्रेमचन्द और आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद
प्रेमचन्द और पत्रकारिता

इकाई–2

प्रेमचन्द के साहित्य में किसान-विमर्श
प्रेमचन्द के साहित्य में स्त्री-विमर्श
प्रेमचन्द की भाषा–शैली
प्रेमचन्द के साहित्य की प्रासंगिकता

Mehak

इकाई –3

उपन्यास –गोदान

इकाई –4

कहानियॉ– पंच परमेश्वर,बड़े घर की बेटी, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा,गुल्ली डंडा,कफन,शतरंज के खिलाड़ी,दूध का दाम,दुनिया का सबसे अनमोल रत्न

संदर्भ पुस्तकें:–

1. प्रेमचन्द और भारतीय किसान, डॉ.रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद, साहित्यिक विवेचन–नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन
3. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान, कमल किशोर गोयनका, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
4. प्रेमचन्द की कहानियॉ–मान सरोवर,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।

जुलाई, 2025 से प्रभावी
एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-105(iii) जयशंकर प्रसाद (विशिष्ट रचनाकार)
समय : 3घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी विशेष रूप से प्रसाद की कहानियां, नाटक, उपन्यास आदि विधाओं से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी प्रसाद के साहित्य में नवजागरण से उत्पन्न राष्ट्रीयता की भावना से अवगत होंगे।
3. स्वतंत्रता प्राप्ति के दौरान जयशंकर प्रसाद के योगदान को समझ पाएंगे।
4. विद्यार्थी छायावादी काव्य में जयशंकर प्रसाद की शिल्पगत विशेषताओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोट

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

नवजागरण, राष्ट्रीयता और प्रसाद
छायावादी काव्य दृष्टि और प्रसाद
प्रसाद का इतिहास–बोध

इकाई–2

प्रसाद की दार्शनिक चेतना
कामायनी का रूपक–तत्त्व
प्रसाद की नाट्य चेतना एवं शिल्प

इकाई–3

आँसू (निर्धारित कविताएँ) –	इस करूणा दलित हृदय में, जो घनीभूत पीड़ा थी,
	मुख–कमल समीप सजे थे, सबका निचौड़ लेकर तुम
लहर (निर्धारित कविताएँ)	बीती विभावरी जाग री,
	जागों जीवन के प्रभात, ले चल मुझे बुलावा देकर,
	अरूण यह मधुमय देश हमारा
कामायनी	श्रद्धा सर्ग (पहले 1–25 पद)

इकाई–4

उपन्यास : तितली
कहानियाँ : ग्राम,पुरस्कार, आँधी, गुंडा, मधुआ
नाटक : चन्द्रगुप्त

संदर्भ पुस्तकें:–

1. नया साहित्यः नये प्रश्न : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी–मैकमिलन प्रैस, नई दिल्ली
2. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर–भारती भण्डार, इलाहाबाद
3. छायावाद : नामवर सिंह–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रसाद का गद्य साहित्य : डॉ राममणि शर्मा
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ जगन्नाथ प्रसाद

जुलाई, 2025 से प्रभावी
एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-105(iv) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (विशिष्ट रचनाकार) क्रेडिट : 4
समय : 3घण्टे पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थियों को साहित्य में मनोवैज्ञानिकता से परिचित कर सकेंगे।
2. विद्यार्थियों को विशेष रूप से अज्ञेय की साहित्यिक दृष्टि से परिचित करवा सकेंगे।
3. विद्यार्थियों को अज्ञेय की विचारधारा व स्त्री–दृष्टि से अवगत कर सकेंगे।
4. अज्ञेय की भाषा–शैली, शिल्प, प्रकृति–चित्रण, बिम्ब आदि से अवगत कर सकेंगे।
5. अज्ञेय के दृष्टिकोण से आधुनिकता की अवधारणा से विद्यार्थियों को अवगत करवा सकेंगे।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

आधुनिकतावाद की अवधारणा और अज्ञेय
अज्ञेय के तार सप्तक
अज्ञेय और प्रयोगवाद
अज्ञेय के काव्य में प्रेम और सौंदर्यानुभूति

इकाई –2

अज्ञेय की साहित्य दृष्टि और अस्तित्ववाद
अज्ञेय : स्त्री दृष्टि
अज्ञेय के साहित्य में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण
अज्ञेय की भाषा और शिल्प

इकाई –3

कविताएँ –

असाध्य वीणा
हरी घास पर क्षण भर
कलगी बाजरे की
कितनी नावों में कितनी बार

इकाई –4

उपन्यास–शेखर एक जीवनी (भाग –एक)

संदर्भ पुस्तकें:–

1. अज्ञेय : आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरूप चतुर्वेदी–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. अज्ञेय रचनावली : सं.कृष्णदत्त पालीवाल–भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. अज्ञेय : सं दृविश्वनाथ प्रसाद तिवारी–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
4. अज्ञेय का रचना संसार : सं. गंगा प्रसाद विमल–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अज्ञेय और नई कविता–सं. चन्द्रकला त्रिपाठी–संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

जुलाई, 2025 से प्रभावी
एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-105(v) 'बालमुकुंद गुप्त' (विशिष्ट रचनाकार) क्रेडिट : 4
समय : 3घण्टे पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थियों को हरियाणा के साहित्य एवं साहित्कार बालमुकुंद गुप्त से परिचित कर सकेंगे।
2. विद्यार्थियों को विशेष रूप से बालमुकुंद गुप्त की साहित्यिक दृष्टि से परिचित करवा सकेंगे।
3. विद्यार्थियों को बालमुकुंद गुप्त की विचारधारा से अवगत कर सकेंगे।
4. बालमुकुंद गुप्त की भाषा–शैली, शिल्प, प्रकृति–चित्रण, बिम्ब आदि से अवगत कर सकेंगे।
5. बालमुकुंद गुप्त के दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को अवगत करवा सकेंगे।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

बालमुकुंद गुप्त का जीवन और साहित्य
नवजागरण के अग्रदूत बालमुकुंद गुप्त
बालमुकुंद गुप्त का साहित्य और लोकजीवन
बालमुकुंद गुप्त का समाज सुधारक रूप

इकाई –2

बालमुकुंद गुप्त निबंधकार के रूप में
बालमुकुंद गुप्त व्यंग्यकार के रूप में
बालमुकुंद गुप्त की किसान चेतना
बालमुकुंद गुप्त की भाषा–शैली

इकाई –3

कविता– रेलगाड़ी,विधवा विवाह,प्लेग की भूतनी,बिकट बिरहनी, होली है,
जोगीड़ा,टेसू,कविता की उन्नति,सर सैयद का बुढ़ापा,
पोलिटिकल होली, कर्जनाना, पंजाब में लायल्टी

इकाई –4

शिवशंभु के चिट्ठे–वैसराय का कर्त्तव्य,पीछे मत फेंकिये,बंग–विच्छेद
हंसी –खुशी, हिन्दी की उन्नति, हिन्दी भाषा की भूमिका

1. के.सी.यादव, बालमुकुंद रचनावली, भाग–2,3,4,. हरियाणा का इतिहास एवं संस्कृत अकादमी
2. बालमुकुंद गुप्त निबंधावली,झाबरमल शर्मा व बनारसीदास चतुर्वेदी, गुप्त स्मारक ग्रंथ प्रकाशन समिति,कलकत्ता
3. बालमुकुंद गुप्त ग्रंथावली–नत्थन सिंह,हरियाणा साहित्य अकादमी,पंचकूला
4. बालमुकुंद गुप्त :संकलित निबंध,कृष्णदत पालीवाल,राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत,दिल्ली।
5. बालमुकुंद गुप्त,मदन गोपाल,साहित्य अकादमी,प्रकाशन,दिल्ली।
6. बालमुकुंद गुप्तःजीवन,सृजन और मूल्याकंन,सम्पादक–प्रोफसर सुभाष चन्द्र
7. बाल साहित्यकारः बालमुकुंद गुप्त, सम्पादक–प्रोफसर सुभाष चन्द्र
8. देस हरियाणा, अंक –26 बालमुकुंद गुप्त विशेषांक, सम्पादक–प्रोफसर सुभाष चन्द्र